पत्र नहीं; मित्र

देशबन्धु

वर्ष – 35 । अंक –299 । भोपाल, मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

मूल लेखन से अधिक कठिन है अनुवाद की यात्राः मूलानी

भोपाल,देशबन्धु। सिंधी भाषा के वरिष्ठ लेखक और अनुवादक खीमन यू मूलानी का मानना है कि मूल लेखन से कहीं अधिक कठिन अनुवाद की यात्रा है ।अनेक बार अनुवाद करते समय कुछ क्षेत्रीय और आंचलिक शब्द अन्य भाषा में उपलब्ध नहीं होते। देश के प्रत्येक अंचल का खानपान, संस्कृति ,वेशभूषा,शब्दावली और लोकाचार भिन्न होते हैं। इस नाते कई शब्दों का विकल्प लक्ष्य भाषा में नहीं प्राप्त होता। इस तरह अनुवाद सहज और भावानुवाद न होकर कई बार जटिल और शब्दानुवाद बन जाता है।

श्री खीमन मूलानी आज भोपाल के संस्कृति भवन में साहित्य अकादमी, भारत सरकार के लेखक से भेंट कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित किया गया। लगभग पौन घंटे के आत्मकथ्य में लेखक श्री मूलानी ने बताया कि उन्होंने बचपन भी भोपाल में ही गुजारा है। पूरा जीवन साहित्य सृजन में बीता है। कुल 43 पुस्तक प्रकाशित हैं, जिसमें 34 पुस्तक सिंधी और हिंदी के परस्पर अनुवाद पर आधारित हैं। इनमें शायरी गजल, कविता, उपन्यास, कहानी ,यात्रा संस्मरण और साक्षात्कार आदि शामिल हैं। युवावस्था से लेखन शुरू किया। उन्हें पत्र पत्रिकाएं पढ़ने में रुचि थी। बाद में सिंधी का साहित्य उपलब्ध हुआ। इसके गहन अध्ययन के बाद अनुवाद की इच्छा जागृत हुई। हिंदी से सिंधी और सिंधी से हिंदी लगभग 500 रचनाओं के अनुवाद का कार्य संपन्न किया है। कई पुस्तक पुरस्कृत भी हुई हैं। मूल लेखन और अनुवाद दोनों के लिए साहित्य अकादमी नई दिल्ली से पुरस्कार मिले हैं। प्रकाशन का लंबा अनुभव रखने वाले मूलानी जी साहित्य अकादमी भारत सरकार से पुरस्कृत साहित्यकार हैं। आज के कार्यक्रम में सवाल जवाब के सत्र में अनेक रचनाकारों और पाठकों ने मूलानी जी के साहित्य सृजन के बारे में जानकारी प्राप्त की और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

साहित्य अकादमी ने किया लेखक से भेंट कार्यक्रम का आयोजन

मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने कहा कि सिंधी अकादमी का कार्यालय साहित्यिक आयोजनों के लिए भी उपयोग में लाया जाएगा। प्रारंभ में अशोक मनवाणी सदस्य सिंधी सलाहकार बोर्ड साहित्य अकादमी भारत सरकार ने साहित्य अकादमी के उद्देश्यों और योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ लेखक साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त मोहन गेहाणी भोपाल नगर के साहित्य प्रेमी और पाठक गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सिंधी कलाम भी सुनाए

वरिष्ठ साहित्यकार खीमन यू मूलानी ने कार्यक्रम के अंत में स्वरचित रचनाओं और संत कंवर राम के भक्ति गीत का सस्वर पाठ भी किया। इस कलाम को श्रोताओं ने काफी पसंद किया।